MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour raised by the hon. Member Shri Jose K. Mani: Dr. Santanu Sen (West Bengal), Shri Sandosh Kumar P. (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri A.A. Rahim (Kerala), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shri Jose K. Mani (Kerala), Shrimati Vandana Chavan (Maharashtra), Shri Elamaram Kareem (Kerala), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shrimati Priyanka Chaturvedi (Maharashtra), Dr. V. Sivadasan (Kerala) and Dr. Sasmit Patra (Odisa), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

Regularisation of local passenger Train Nos. 07380 and 07379

SHRI SADANAND SHET TANAWDE (Goa): Mr. Deputy Chairman, Sir, I rise to call the attention of the Minister of Railways to an important issue affecting the residents of Kulem, Kalay and surrounding villages in South Goa. The prolonged cancellation of local passenger trains, specifically Train No.7380 Vasco to Kulem and Train No.7379 Kulem to Vasco due to the ongoing railway doubling project from Kulem to Vasco has created severe challenges for the local population. The suspension of these trains has disproportionately impacted the daily lives of villagers, particularly students, who rely on these services for commuting for education and employment opportunities. Despite persistent representations made by the local villagers to the South Western Railway, a resolution has not been reached. The absence of alternative transportation from Kulem to Vasco has led to significant hardships for students, workers, employees and domestic passengers while goods trains operates seamlessly on the same route. Sir, I urgently request your intervention to address this matter. I appeal for the regularisation of Train No.7380 Vasco to Kulem and Train No.7379 Kulem to Vasco without further delay. Thank you.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour mention raised by the hon. Member Shri Sadanand Shet Tanawde: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Amar Patnaik (Odisha) and Dr. Santanu Sen (West Bengal).

Demand to establish Industrial Units in Auraiya and Etawah Districts of Uttar Pradesh

श्रीमती गीता उर्फ चंद्रप्रभा (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, उत्तर प्रदेश के जनपद औरैया एवं इटावा भौगोलिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश में एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित हैं। लगभग उत्तर

प्रदेश के मध्य में स्थित इन स्थानों से मध्य प्रदेश, राजस्थान राज्यों की सीमा बिल्कुल निकट है तथा उत्तर प्रदेश के किसी भी हिस्से में सरलता से पहुंचा जा सकता है। दोनों जनपद देश के प्रमुख रेल मार्ग से - एक हावड़ा-दिल्ली रेल मार्ग एवं राष्ट्रीय राजमार्गों, अनेकों एक्सप्रेस-वेज़ से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। जनपद औरैया में भारत सरकार के उपक्रम गेल एवं एनटीपीसी भी स्थित हैं। महत्वपूर्ण भौगोलिक स्थान पर स्थित होने तथा रेल व सड़क मार्ग से अच्छी तरह से कनेक्ट होने के कारण इन दोनों जनपदों में अभी औद्योगिक विकास की अनेकों संभावनाएं हैं। दोनों जनपदों की औसत साक्षरता दर देश और प्रदेश की औसत साक्षरता दर से अधिक है। रोज़गार के अवसर कम होने के कारण वहां के प्रतिभाशाली युवा अनेकों शहरों में रोज़गार की तलाश में जाते हैं। इसलिए दोनों जनपदों एवं आस-पास के क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर बढ़ाने तथा जनपद के संपूर्ण विकास के लिए एक्सप्रैस-वे एवं रेल मार्ग के किनारे औद्योगिक इकाइयों की स्थापना अति आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करती हूं कि वहां पर औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जाएं, जिससे वहां के युवाओं को रोज़गार प्राप्त हो सके।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shrimati Geeta alias Chandraprabha: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Dr. Santanu Sen (West Bengal), and Dr. Amar Patnaik (Odisha).

Demand for a flyover on NH-31 in Begusarai

श्री राकेश सिन्हा (नामनिर्देशित): उपसभापति महोदय, जो नेशनल हाईवे का चौड़ीकरण ...(**व्यवधान**)... हाल के वर्षों में मोदी सरकार ने नेशनल हाईवे का चौड़ीकरण, विस्तारीकरण किया है, जो अभूतपूर्व कदम है और देश के लिए एक बहुत बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। इस संदर्भ में बिहार के बेगूसराय से जो नेशनल हाईवे 31 गुजर रहा है, उसमें एक फ्लाईओवर बनाया जा रहा है, जो एक ट्रैफिक चौक तक ही आता है। यदि उसे खातोपुर तक, यानी कुछ मीटर्स आगे बढ़ा दिया जाए, तो एक्सिडेंट्स की संभावनाएं कम हो जाएंगी, जैसी कि आंशका जताई जा रही है।

दूसरा, उसी एनएच 31 पर बलिया में पावर हाउस से यदि जानीपुर तक एक फ्लाईओवर बनाया जाता है, तो लोग सुरक्षित रहेंगे। यह विषय मैं इस संदर्भ में उठा रहा हूं कि पैदल चलने वालों का एक प्राकृतिक और मौलिक अधिकार होता है। जब नेशनल हाईवे का चौड़ीकरण हो रहा है, तो उन स्थानों पर छोटे-छोटे व्यापारी, फल विक्रेता और रेलवे स्टेशन या बस स्टैंड पहले से स्थित होते हैं। उसके कारण जो आंकड़े आते हैं, जितने पैदल चलने वाले लोग होते हैं, उनमें 31 प्रतिशत व्यावसायिक कारणों से चलते हैं और जो रोड पर एक्सिडेंट्स हो रहे हैं, उनमें 58 प्रतिशत एक्सिडेंट्स, दुर्घटनाएं पैदल चलने वालों की हो रही हैं। भारत में 2022 में यह आंकड़ा लगभग 32,825 है और यह ग्लोबल ट्रेंड है। पूरी दुनिया में 1.2 मिलियन एक्सिडेंट्स होते हैं। 2022 में